Hindi Comprehension Grade VII

2. कविता को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

हम पंछी उन्मुक्त गगन के
पिजरबद्ध न गा पाएँगे,
कनक-तीलियों से टकराकर
पुलकित पंख टूट जाएँगे
हम बहता जल पीनेवाले
मर जाएँगे भूखे-प्यासे,
कहीं भली है कटुक निबौरी
कनक-कटोरी की मैदा से।
स्वर्ण- शृंखला के बंधन में
अपनी गति, उड़ान सब भूले,
बस सपनों में देख रहे हैं
तरु की फुनगी पर के झूले।
ऐसे थे अरमान कि उड़ते
नीले नभ की सीमा पाने,
लाल किरण-सी चोंच खोल
चुगते तारक-अनार के दाने।
होती सीमाहीन क्षितिज से
इन पंखों की होड़ा-होड़ी,
या तो क्षितिज मिलन बन जाता
या तनती साँसों की डोरी।
नीड़ न दो, चाहे टहनी का

Sharya Academy

आश्रय छिन्न-भिन्न कर डालो,
लेकिन पंख दिए हैं तो
आकुल उड़ान में विघ्न न डालो।
कवि का नाम लिखिए।
कविता का नाम लिखिए।
पिजरबद्ध का क्या अर्थ है ?

प्रश्न- पक्षी को अपने जीवन के लिए किस प्रकार का जल पीना अच्छा लगता है ?

प्रश्न- 'स्वर्ण श्रंखला' के बंधन में पक्षी क्या भूल जाता है ?

प्रश्न- पक्षी सपनों में क्या देख रहा है ?

प्रश्न- पक्षी के क्या अरमान थे ?

प्रश्न- पक्षी अपनी चोंच से क्या चुगना चाहता है ?

प्रश्न- पक्षी उड़ते-उड़ते क्या छू लेना चाहता है ?

प्रश्न- पक्षी ने क्या इच्छा प्रकट की है ?

Sharya Academy